

॥ निसि यु स द गुरु कृ मि रु र ॥

अविकालशना ॥ ० ॥ नननमसिर्वः स्यः पुणु निवननकं ॥ अवि
वालशना ॥ ० ॥ अथ अमलका ॥ अं वक्रया नित्यमालं
रखा ॥ सर्वजया पत्रजायया दान ॥ यत्र नथ वक्रया
कलका ॥ ० ॥ वकल वित्रया लवालः वसः अकृतः धुतिथ
दरियादः आदश्य ॥ अहिवात्रः इव वरुणन ॥ अष्टादल
यमरुः अमलका शना ॥ ० ॥ अं वालिय इव मा नित्य
माहा अमि कुमानि सिद्धिवननक रखा ॥ खान इव यक
यः अमलका ॥ ० ॥ ॐ त्रियथा गवदमनिता प्रोक्तं ॥

॥ २८ ॥ विधान जोति तन्त्र

ASHA ARCHIVES 3281

सिद्धिस्तर्हि स्वर्गियलिङ्गवसनात् ॥ १३ ॥ ॐ ॥ नमः श्रीवद
भाषिये ॐ सर्वकामवसमानाय माह्वय २ श्रीकृष्णय २ स्वाहा
धर्मं पुनश्चालङ्कय्य न कर्त्तुं निवसहया ॥ ० ॥ ॐ ॥
ॐ श्रीशं नो कीं श्रीस्वाहा ॥ स्नानद्रव्यं च कर्त्तुं निवसहया ॥ ० ॥
ॐ नमः वतियानसध्वनिमनसत्रिनिषयलज्जवत् गुणकृत
वत्तनाहाय दत्तियानगवतिलिप्तिद्विष्टसादृज्मकमनसवल
वीरगं अवलये कामवत्तलये नालयागिकासया ॥ वस्य भासि
दिगुल्लेख ॥ ॐ ॥ चालङ्कय्य न कर्त्तुं निवसहया ॥ ० ॥ यत्तद
निःस्वाद्यदनिः न कर्त्तुं हि हवमि सायात्र कर्त्तुं कायलः थवविद्

धर्तिरनिवासथन्यः स्वसि स दिवलयादः द्युहदसि नदाहल
यः ॥ ॐ ॥ नमः कामनः नयू कायदसः क्रियः पिनालदने ॥ ॐ ॥ स्वा
नमैतवः न कालमैतवः मन्त्रकै संतवः सिमाक संतवः ॥ ॐ ॥ स्वा
संतवः ॥ धर्ति सर्वतवः दृष्टस्य ॐ ॥ नमः ॥ धर्ति ॐ ॥ नमः ॥ नमः ॥
वसहया ॥ ० ॥ ॥ वसमैतागः थवदिन नमः ॥ ॐ ॥ चालस न कर्त्तुं नि
विवस ॥ ० ॥ ॥ न कर्त्तुं हि हवमि सायात्र कर्त्तुं कायलः थवविद् ॥ ॐ ॥
ॐ ॥ नमः लसैतागः वदस्व निया क्रियः मि विकदधलः पिनालसहय
दावः ॐ ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥
याथ ॐ ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥ नमः ॥

धर्मं न साया न द्रव्यं म मि सा न क या य ॥ इति ॥ ० ॥ यत्तं नि
 दा य इति म सा न न वाः उ व र व ल यः वि च णः क स या न वा षिः
 यि लः क या षि ति च क र्क णि ति धि ति स म रा ग या दा नः ज ह न ना
 न कि रि स्य गः दा दा सि द लः रु स न व स्य ह या न व नः रु म ल
 सं ज्ञा गः ज ति त्रि या हाः रि म रा द हाः भा द स क च का खानः य
 नं इति रु य इति धि ति स म रु ग द न य दा नः ज व कि ष्य या सि
 तिः ख ग ल स या म ल नः मि न न पा व इ य य ॥ इति पी ति न न स्वा हा
 वा न न इ य य न कः ति ति व स इति ॥ ० ॥ उं का ना नि वि क रा लि
 वि क ष्व न ई र मा हा क ति न ल र्खि शी र व म हा र्कः मा हा न द

श्व ना य स्वा हा ॥ य ल न म स स सि वि ति इ यः रा ज य ज षा डि व मा हा
 न क य म इति ॥ ५० ॥ उं व द वि त्रा व ना यः ज मू क भा द य श कि
 स्वा हा ॥ य न ज ना म ना नः म व स इ य य सि मः रा ज य द हाः ह वा
 पु नः दा कि नि नः भा हा न यः ज रि का न म इ हा ला ॥ ० ॥ ग र नि
 क ना क डिः इ न्ध यः म न चः न र्थः सा क थ स र्वा या व न न क
 ध न का य क ॥ ० ॥ रु न लः य रु ल लः म ल चः नि र्वा ना न क
 ना यि व इति ॥ ० ॥ रु न स र्वा यः सा क थ स र्वा य ना न क थ
 न का य क इति ॥ श्व य म न चः नि या व ना न क ना य व इति ॥ ० ॥

धनकायक

मलवः रुधिलयः निर्योतानयादावः धसरायावगानर्कः धन
कायक इत्या ॥ ० ॥ नरवगानर्क रायि नदुप्रा ॥ ० ॥ उं वलदि
गयित्ववववयालक गिष्टदसितलघदयिता समुद्ववव
सितकालनस्यगर्ल यगायसागयि समुद्वववव जेफुभासिद्धि
उरयायसलनकाहानजालाश्रीनामजाल्य ॥ सावानरुयुव
इसविष्टगयकः धनवववः कोनवववः नायक इत्या ॥ ० ॥ उं
निलकल्यमधनावपीकल्यडाईवाईसहीगास्वाहा ॥ ध्या ५
उहिनयसनायविनदकयाइत्या ॥ ० ॥ उं ईपाकिनिवान
यइइइ स्वाहा ॥ धमग्रन निवसिः यसाकधडाकायाव

सापालजप्रयाव ॥ इत्याससुवकयायः अविचलमहवइला
० ॥ एप्रवालमहव ॥ ० ॥ काइमानयलननियामालसः
काइआकागवणइ इथान्यः काइककलकानचस्यः नागा
पाइगवस साकय्यायइत्या ॥ ० ॥ उं उं मानयइयस्वाहा
नागदिगुयायः नागजायक इत्या ॥ ० ॥ पुमायामिरवावद
इखायामिखाधनइमनसिलता इनावः मिरवासउत्रमंत ॥
उं ई ई ई ई ई मि किचक इत्या ॥ ० ॥ गि विवानडागिगंतुह
साक ॥ ॥ उं काइयवाडलकइमाहालकइस्वाहा ॥ इ

मिकवके

नासनादः वलकामावः इत्ययं गियकवच इत्या ॥ ० ॥ ॐ काम
लडा यिकदलाल लयिकवृद्धल नायि माच्छा नागा गमये नायि
वाच्छा नायिः ॥ मूकास्ति याच्छा नागिः मासि द्वि उदया द्य कामा
रू ॥ गम ॥ वसिके नन इत्या ॥ ॐ ॥ ॐ स्वाहा प्रकादिक सि
निः मकल पुथनिः शालनाम मः इरु ॥ स्वाहा ॥ अल २ ॥ वि
कृताय या गुगु निजयुर्वः मकन सगया वः कुरु यक माल
॥ ॐ उद्वि धाना किन ॥ यानि अल क्कीन्द ॥ स्वाहा ॥ वि वि
ममन इत्या ॥ ० ॥ ॐ यव गः मुनि रथा ॥ गलग इरु सच

लन सन या सन इरु ॥ विसनाय म ॥ इत्या ॥ ० ॥ ॐ नकुनादि
वर्च मपी वचं रुद्र ॥ स्वाहा ॥ वि वि यम ॥ इत्या ॥ ० ॥ ॐ वि नि
ति इरु ॥ स्वाहा ॥ नागलाय म ॥ इत्या ॥ ० ॥ ॐ वि वि गुरु ॥
॥ का मूल नन्दा धूल रु निजाः ॥ अल २ ॥ भाद स्या क य य ह
ला ॥ ० ॥ ॐ गुल ॥ गम कानी वि वि वि कलय ॥ अल २ ॥
नपाल व ॥ कुरुः वल मिद्वि वलः रुना सि सि ना सिः जाल २ ॥ गुन
कि स किः म नि र किः रुना म ॥ ग ॥ अल २ ॥ भाद
स्या म य य इत्या ॥ ० ॥ ॐ ॥ आ डि मन रु समर्गः न डि न मलाः ॥ आ
का र्ग म हा म न्ग रुद्र स्वाहा ॥ नाक नाय म ॥ ॥ ० ॥ ॐ का वि क

नतिहृदतिविखनिकर्ततिः अकर्ममात्रा गुत्रकिमकि
 मपिरुकि रूलमं ॐ ठवलवाव ॥ सवलविकस्यशत्रा ०
 कामत्रिजायमं नादनिविहयनिष्ठमयनाहंरुठ्माहा
 हि, कववया मं ॥ ० ॥ ॐ गप्रगालमूनिनः मचरैदेक
 के मचरैरुठ्माहाः विकनइयपावः गुविनिया माल सतस
 ननानिमवावयकुल ॥ ० ॥ ॐ गप्रगालकगलः जमकिवाका
 मदभाहनः वक्राः क्व दवागागि त्रिदिदि गुलु जाय्या ॥ वि
 कनइययैद्याहस्यः सवावयक ॥ ० ॥ ॐ तिदिदि गुलु जाय्या

निसिहर्लवन्दकालरव तातायकसं गायमहाई नवकर्नं
 कं नरुठ्माहा ॥ लरवइययैगानकः द्यागस्याकयाना सश्वम
 न्नाइ ॥ ० ॥ ॐ गान्यं कुरु स्वाहा ॥ वाखायसक्यः वम
 इचकं सालः कागथाद्वियावः सुकककाखायकः थनवनया
 कनवववया मन्नाइ ॥ ० ॥ ॐ गुत्रजाय्या ॐ अइ कुरु स्वाहा ॥ ४
 अलदयाकीवः थक्यः क्व क्युगुयावः निष्ठुनिर्नः कारवाय
 कः थनवनवयायुयः कनवनवयाक्युयः थनवनवनवया
 इना ॥ ० ॥ वयखानयाहा त्रियावः वयावतकः अदित्यना

स्नानः धार्मिकधन्यः उवाच नयाय हना ॥ ० ॥ ॐ कामाक्षा
 माता यव लक्ष्मि च लक्ष्मि य एवाः निखा हा ॥ काखया या का
 यावः नैरु रूयः च लक्ष्मि लया दावः ॥ अययः ॥ १०६ ॥ ॐ
 मृक ॥ उवाच नयाय हना ॥ ० ॥ ॐ कुरु नखा हा ॥ यमदा स
 वास्यैगः सद्यवान मच्छालक हना ॥ ० ॥ ॐ आनि न हना
 लनाय स्वाहा ॥ धर्मगवा स्यतः यमदा सः काक सान्य मच्छन क हना
 ॥ वज्रा दिया हा ॥ ॐ ॥ ॐ वक सिः नैव वन्य स्यैः ॐ सि दि दि
 नि मया दैः उवाच या के स गाय ॥ मृग ध ॥ ॐ नमो र गव नि

नारद मन्त्र

सु नयनः या कि निः सा कि निः हा कि नि स्य रवा पी र स्वा हा
 स्व सि कि नि ग्रा स्यै उवाच नयाय हना ॥ ॐ नमो ति दिन
 सु ॥ मि न्वा ल इ इ गन कंगः गंधक व नि स्यैः सि क म म स रू
 स्यैः म न्वा च क हना ॥ ० ॥ चाल स या हि सः वि न रू स्यै ग
 गन कंग ॥ धर्म कृष्ण वतः धर्म य हि ह यि व हना ॥ ० ॥ स म
 स्नान याः वा नि कृ तिका यावः ॐ उवाच नयाय हना ॥ ॐ नि गि हा
 व हना य ॥ रव व न शा दा पु नि वाः आ द या दा कः या गाल के सु व
 ना य स म हा ग या दा वः ना क काल र या न सः धू र्ग नः ना क व ल
 या या दा व चा नि व हना ॥ ० ॥ आ द या दा कः व य न स्य या हा

ॐ यत्र यत्र नर निवसति २ मालय २ शगर सनिर्गय विहा २ हुं अहं हुं
रुद्र स्वाहा ॥ यावत्समं ॥ अभाक नवसिः च्या ॥ गु नीहायकीः जय
यः ॥ द्वालकि १००० शगर यावत्समं गाथ ॥ सिपि वदुता ॥ गाय
मं ॥ ० ॥ ॐ विमानक म् हुं हुं हुं हुं हुं हुं हुं हुं स्वाहा ॥ द्व
लकि जय ॥ १००० ॥ शगर यावत्समं गाथः च्या नान सिपि वदुता ॥ ० ॥
२३ नर

[illegible]

कथा नि ज्ञाते ॥ ३
 वरुण रक्षा ॥ ॥
 राका गन्धालसमि
 नसमुत्तराय ॥ स
 रिष्टक निमिद्विमा
 सा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मिथसिद्धिनिदा नि
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 सुनवयानि ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

मालसाक पाय य इ
ध॥ कने पुन यने सोरु
मात्रिया कुरु सुखा ला
पथ्यस स या याने
स नया स नने न॥ ५५
मात्रिये जे ध॥

सुसुय स सुय माका
कुरु सुखा ला॥ ध॥ ले १
नको गाका इ इ स रे गाव
या इ गा॥ ० ॥ ६० न
सि ला वा॥ ज सुक व ल
ध॥ न १ ध॥ ले १० स चा
य ले वी गा नक॥ ७२ या
व गा नक॥ ० ॥ ६१
ध॥ नि स का सो नि॥ मा

ध॥ ० ॥ ६० न म धु ज
का॥ ज नि या दि स
॥ ध॥ ले १ ॥ ३१ न गा य म
वा॥ १०५० कृष् न गे न॥
गा न य य॥ ० ॥ ६० न

दि य ॥ इ स य जे र व न
सा का नि नि या ला क य
या य॥ नि या सा क
स रु जे य ध॥ ६० न द
व स इ इ इ सुखा ला॥
व य म रु न या न का इ
मा गा या ला न स स व न
न स रु जे य ध॥ ॥ सो नि
व ल य इ इ सुखा ला॥

ध्यात्वा ॥ ध्यात्वा सर्वं
 मुनिरुवाच यं कुरु
 त्वं न मरुते ज्ञेयम् ॥
 तपिः प्रथमा ध्यात्वा ॥
 यं कुरुमाणा इति च ॥
 सप्तमिः सः पथमथवा
 सप्तमसिद्धिर्न कुरु
 सिद्धिर्न चः आद्यत्वे
 त्वं न मरुते ज्ञेयम् ॥
 सप्तमसिद्धिर्न कुरु
 काश्चः कुरुमिन् न
 एकत्रयः ध्यात्वाः द्वि
 त्वाद्यत्वे ॥ इति कुरु
 प्रथमम् ॥ नृदिक्काया

[illegible]

धना नि कया जि ॥ क
 धनी य दय जे यी ॥ न
 ल कि ॥ ० ॥ ५ न मा
 नि निः गा दा दि ५ ५
 रि ५ ५ व द्या क ५ ॥ क
 या या रि ५ ५ ५ ५ ५
 दया ग नि मा दि ॥ ५
 ल मा दि ॥ ५ ५ ५ ५
 या ॥ ५ ५ दि गा ५ ५ ५
 मा ५ नि ५ क मा ल ५ ५
 ल वा या क ५ ५ ५ ५
 क य या दि ५ ५ ५ ५
 ध मा या ॥ ५ नि ल ५ ५
 ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५ ५

दाकापानि॥धन॥
 के॥आकसीकदयि
 पुनः॥धन॥आनि
 दानिअहि॥रदा
 न॥॥विश्वअद
 दि॥धन॥कमदि॥क
 ग॥क॥क॥म॥दि॥ध
 दि॥रदा॥धन॥क
 वल॥ग॥धन॥ध
 नि॥र॥ग॥म॥नि॥॥
 ॥धन॥ग॥॥धन॥
 सा॥मि॥सा॥ग॥
 ॥आका॥धन॥
 क॥न॥वा॥रु॥

[illegible]

ग विम ॥ ध म न स आ
य ॥ ध ज क र ऊ मा या
वि सी ज च ॥ सा न सी र्ण
न स ॥ व सी क स न ॥
सा या ट ॥ ध ध क व
नि का य ॥ दा च ल र वः
रु या च ॥ ध चा स ल
ऊ म द न ॥ ध नि न या
मि न क द हि स ॥ व हि
ध न का च ॥ ऊ क म क
स का ल्य ॥ नि या च ल ह
न ल ता ऊं डि व ल
वि व स ॥ उ न स म ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमः शिवाय ॥ कौटिल्ये ॥
नमः शिवाय ॥ कौटिल्ये ॥
नमः शिवाय ॥ कौटिल्ये ॥
नमः शिवाय ॥ कौटिल्ये ॥
नमः शिवाय ॥ कौटिल्ये ॥

१ नवमका तिका मूल ॥ कृतासंग ॥ नवयग
 २ यया द्विगुं गला द्विगुं ॥ नक
 ३ जलमू निमलेया ला ॥ ३
 ४ निदा ॥ निगठ्याया ॥
 ५ गदयक ॥ नथिद
 ६ नव
 ७ म
 ८ म
 ९ म
 १० म
 ११ म
 १२ म
 १३ म
 १४ म
 १५ म
 १६ म
 १७ म
 १८ म
 १९ म
 २० म
 २१ म
 २२ म
 २३ म
 २४ म
 २५ म
 २६ म
 २७ म
 २८ म
 २९ म
 ३० म
 ३१ म
 ३२ म
 ३३ म
 ३४ म
 ३५ म
 ३६ म
 ३७ म
 ३८ म
 ३९ म
 ४० म
 ४१ म
 ४२ म
 ४३ म
 ४४ म
 ४५ म
 ४६ म
 ४७ म
 ४८ म
 ४९ म
 ५० म
 ५१ म
 ५२ म
 ५३ म
 ५४ म
 ५५ म
 ५६ म
 ५७ म
 ५८ म
 ५९ म
 ६० म
 ६१ म
 ६२ म
 ६३ म
 ६४ म
 ६५ म
 ६६ म
 ६७ म
 ६८ म
 ६९ म
 ७० म
 ७१ म
 ७२ म
 ७३ म
 ७४ म
 ७५ म
 ७६ म
 ७७ म
 ७८ म
 ७९ म
 ८० म
 ८१ म
 ८२ म
 ८३ म
 ८४ म
 ८५ म
 ८६ म
 ८७ म
 ८८ म
 ८९ म
 ९० म
 ९१ म
 ९२ म
 ९३ म
 ९४ म
 ९५ म
 ९६ म
 ९७ म
 ९८ म
 ९९ म
 १०० म

ॐ मल्लकल॥ नमः २०॥ स्वाहा॥ अल २ ॥
अगावानकयकं हि
हमयकं हि च॥ मध्य
नकं हि च॥ वस्य॥ ० ॥

१०॥ लक्ष सकथायन
न्य॥ १॥ कायानमय॥
धलथायनसः मय
साका॥ अल॥ वल
कलकयविकमगलक
धल २०॥ अल॥ यद
धमसिमाइय॥ अद
वाइ २०॥ वल॥ नः
मग २०॥ वल॥ अ
मयकिनाकाच॥ स
सगस्यः अल॥ नि
मविद्या॥ ० ॥

नरुय॥ ययविमइ
नअदास्ययिफानिदि
०॥ याय २॥ ॐ यग
ध॥ १॥ ॐ ककु
नि॥ ॐ ॐ ॥ अम
नयनय॥ गानि
यनकयाना॥ ०
दय २०॥ यान
न २०॥ १०॥ वल॥ अ
अनानरुवनय॥ स
अयमग २॥ ल

ॐ स रुद्रा नम
सिद्धिनिगात्र
द्वगविरगा ॥ इन्द्र
गात्रा लथा समीरवग
सायानाम द्विधका
याद्रय लथ ॥ अल
कात्र ॥ धर्मा यक्ष
कुरुवर्के ॥ का स कुरु
आद्या लवगि न साका
विश्व आनाम सदि
नि नि नि नि वा याः म
साकाः ॥ ५ ॥ ले ३ः का

या दिवा ॥ रोग विरु मान
या रुमा रोग आका न
रुद्रा रोग ॥ ५ ॥ ले ८ ॥
यात्रा य लथ ॥ सिद्धि
वधवनामग समीः नि
रुद्र नि नः दक्षि न धर
सगमात्र ॥ अरुद्र
निसा नक्षत्रि चरय
द्वचवाका विद्या ॥
सगवाचा कथना न
नवाचा ॥ कासा मग
वचथम प विद्या ॥

ॐ वंशम्भोऽस्य न त्रि वंशम्भो
कोऽस्यम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो

ॐ वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो
ॐ वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो

त्रि वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो
ॐ वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो

ॐ वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो
ॐ वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो

ॐ वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो
ॐ वंशम्भोऽस्यम्भोऽस्यम्भो

रिकै सल ॥ रश्ना दु ल
 भाद भा के ना स ॥
 निः गलाः नै रव न न्य र्हे
 ना स ॥ ॥ स ग ज्ञ य ना
 व कि भा द स्या क ना स ॥
 र्हे ष स ह ना व या र्हे ॥
 ॥ कू नि सि लाः इ रु द
 का य लः वा स ल र्हे ना व
 क दा य के श का य ल न र्हे
 सा स्या क ना व ॥ ॥ ने क
 नि बा सि स या यः नि बा
 काः स ल वः रु क डि न
 रि दा य क वे न्यः नि बा

र्हे नि र्हे भो द स या व
 धु क सा न लाः रु क डि
 भा द स या र्हेः भा द स्या क
 दि ग लाः रु स स थ र्हे
 ॥ वा य द य यः र वा रु
 वा ष द भा ल स्या क ना स
 द दा म दा य क ॥ गाय
 दा य केः दि यि क डि न
 ग का व मि बा स व न ॥ मि
 ग य द ना क रि स र्ध न
 स्या क ना व ॥ ॥ नुं दि
 ला क र्हे स या र्ध रु थ
 न रु द य क ॥ वा

१ वा स्याक या उ ॥ ज्वल सिः भ स का च कः वान
का स्यः वा स्याक ना स ॥ ॥ शुद्ध भ स का च कः
वान का स्यः वा स्याक ना स ॥ ॥ गवयल स्यः भ
स का च कः वान का द वा स्याक ना स ॥ ॥ हि द
रु क डिली ॥ भ स का च क वान का द वा स्याक
ना स ॥ ॥ क्र स था ग स्याक या ॥ बाल क ठा वि

क न ञ्ग २ ध व द ॥ क्र स स थ दः क र्क स्र ना ना स ॥
॥ ॥ वे न ग ग ह ल सः ध का च कः क्र स स थ दः क
र्क शू त ना स ॥ ॥ क त्रि न लं यः क्र स स थ दः क र्क
स ल ना स ॥ ॥ भ क कृ या वा सः ग ड मे तिः रु ति इ
स न स्यः भ स त स्यः भ क कृ ना स ॥ ॥ सि क य नः रु
ति इ सः ग स्यः भ स वृ लः भ क कृ ना स ॥ ॥ न ग ल
स्याकः उ ल स्याक या वा य ॥ ग क कृ न या द ॥

काकदायकः धलकुटं भा न्यलावव ॥ ॥ लघु
दहय्याडाशः शयुडा मलः हलदः जलिलहा
जदसः गनकाव धाकन्ययः साखलः कस्मिनवः
त्यनकः ज्वलतिगनास ॥ ॥ कत्रसयावा ॥ य
गादवतिः साखलकस्ती नवाननकः कत्रससहि ॥ ॥
यत्रयुः मलवव न्यस्यः गानकः विगकत्रसः का
यिव ॥ ॥ विक्रमाययावा ॥ लघुकसलन्ययव

वात्रसइरससुस्य गानकः विक्रनास ॥ ॥ डिगशा
जलवदः सूकभानः रुकडिनिः ध्वानः यागकः का
लवासइकाइगान ॥ ॥ थिनायकाकावनकः विक्र
नायनास ॥ ॥ शक्रासिद्धयवा ॥ जययुः खादुल
वन्यस्यः गानकः कासिद्धक ॥ ॥ ध्यानसुसदय
कवा ॥ ॥ विनिस्वामयाफलनरुनरुन्यस्यः क्वात्रसग ॥
न ॥ याय ॥ मरुक्रमः यशुमाः लीद ॥ ॥ नावव

विकनव्यः वनाकासमननकवावकक्य॥ हंस
यातजाकसियावनयाकावः विकनव्यः वाद्यक
॥ ॥ वागायाविकनव्यः कस्याचिंहि॥ हामलवि
कनयुनव्युयुयियनासूनमस॥ ग्वालकामस॥
दानवितकामस॥ दानदानमस॥ ऊनामासमस
॥ जूनडकामस॥ इरुखानकामस॥ धृतिध्व
व्यः वागायाः स्याकयाहि॥ ॥

॥ ॥ वागसयाद्यानवत्यः दायादागकव२ विक
नयु१ धृतिनायव्यः वागसयाद्यालनाव॥ ॥ ए
र्यादाकनवलसिद्यालनावहि॥ ॥ निलकाली
गकुमुसधदः वूनयवमरुन॥ ॥ फिनककुति
मनयवगार्नमयाकावः नस्यजुविवालजुदिबह॥
॥ ॥ ववकनहाः आदुलं वनः न्यस्यः नानकः यस
नदयः मदयकइना॥ ॥ माहनदिः स्वधस

न्यस्यः गानकः वृषनदल्यः गान् ॥ ॥ वलस्यया
युः धलसकावावः नकनः मृगसूत्रनास ॥ ॥
रुगसिगिसः यमसत्यालचननरुस्यः गानकः मृग
सलनास ॥ ॥ नकजुदिसालयाः जुरिलहा न्य
स्यः भसइइसरुस्यः गानकः नकजुदिसालनास
॥ ॥ जुरिलयाः वालः यवाकः सन्यस्यः गानकः
नकजुदिसालनास ॥ x ॥

रुलनः पावा सलवयस्यः पायः कस्ययुरिद ॥ ॥
धन्यपायः सावाशः स्वादहाः मयाथाः वृनहाः धनि
न्यस्यः ४४६६ स ~~नकजुदिसालनास~~ दायकया मथ्यरि ॥ ॥
यात्रास्यहाः सावासल ॥ कालस्यहाः दायकयाय ॥
दान्यः धन्यरि ॥ ॥ सानमदवयावाश ॥ जुर्यामीग
हाः यात्रादार्ढः न्यस्यः गानकः सानदवय ॥ ॥
मवाव्यमरुपावाश ॥ नाहिसंयवनावगानक ॥

इयि न ॥ सिक म या इ ल सा ॥ ॐ श्व स्य वा द वि या
श्व ल का या वः न ख न स्य ल व ग न न क ॥ सिक म या इ
य क ॥ ॥ रु स न य का ग स्य क या वा ॥ म न वः यी
प त्रिः म थिः व ल विः स्य धूः यि म निः श्व रु नः पु
क उः थ ति रु न या द न कः रु स न थ ग स्या क या रि
॥ ॥ य स्र ना य या वा ॥ द न न व दः मू थिः थ
निय वः थ डा ति स र्ग म्पि ना द नः य स्र ना य ना स ॥

॥ ॥ य त या वा स ॥ ५ त्रि स्र ना न ॥ ज प यः रु स क नः
क स्र ति धि न क व ॥ क व द या नः ॐ ति मी न थ ति क्वा
क ति सः र्ग म्पि ना न कः य त ना य ना स ॥ ॥ या वा
न व द दः क धि क न क वः वा न स द द स र्ग म्पि ना
न कः दि न डा व या रि ॥ ॥ ति स न स ग नु द रु व
य म्पिः थान स द द म्पि न वः ख क ति स न वः थ न
ग दि व ल्य रि द ॥ ॥ म वा ना य न द श न व ल्य ॥

युगानयवाक्यं ज्ञात्वा मृगवृत्तकृतं यिमुनिः डि
त्रिकृतं ज्ञानकं ॥ ध्वननकसङ्गः यथनराव ॥ ॥
युगानयवाक्यं ज्ञात्वा नवनरावः यथनरावः यथनरावः
नः ज्ञात्वा मात्रिवातः तिसिलखानखाल ॥ यिमुनिः डि
त्रिः ज्ञात्वा कृतः ध्वनित्यात सवाजाव नयननवात
नकावः गुलमिसकृतः माधे ॥ नकः मृगानासक
दशः रिद ॥ ॥

सवाजा सथनवत ॥ युगानयसमितिः यथन
नयस्य नानकः यथनदिक ॥ ॥ यिगयावातन ॥
मुदु ॥ ययं गु ॥ ज्ञादस ॥ खाइ ॥ वृक ॥ द्वाकृतं य
नयस्य नानक ॥ द्वाकृतः डिमयद्वः द्वाकृत ॥ नियक
द्वाकृत ॥ यथननयसमरुतः गनकावचनयादा
वः साखलति सः साखलमनः कसति सृत्तव ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 ॥ अथ श्रीभक्तप्रियारामचरितम् ॥
 ॥ प्रह्लादपुत्रेण कृतं ॥
 ॥ श्रीनारायणाय नमः ॥
 ॥ अथ श्रीभक्तप्रियारामचरितम् ॥
 ॥ प्रह्लादपुत्रेण कृतं ॥

[illegible]

|| ཡེ་ཤེས་ཀྱི་ཡེ་ཤེས་ || ཡེ་ཤེས་ || ཡེ་ཤེས་ ||

॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ ॐ ॥

115

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ३३ ॥

॥ गुरुदेव ॥ गुरुदेव ॥ गुरुदेव ॥ गुरुदेव ॥ गुरुदेव ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

11

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय || ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ||

ᠤᠯᠤᠰ ᠨᠡᠭᠦᠷᠢᠳᠡ ᠶ᠋ᠣᠵᠤ ᠲᠤᠮᠤ ᠪᠤᠴᠤᠨ

|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय || ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ||

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

॥३३॥

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

|| ॐ नमो भगवते वासुदेवाय || ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ||

五

H | L | K | F | || G | B | C | K | H | D | S | I | H | L | P | U | G | H | E | || J | A | H | P | G | H | A | T | H | S | E

मन्त्रायाम्

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the top page of a manuscript. The text is arranged in approximately 12 horizontal lines. The script is dense and characteristic of Sassanid-era documents. There are some red ink markings or lines interspersed within the text, possibly indicating specific sections or corrections.

Handwritten text in an ancient script, likely Pahlavi, on the bottom page of a manuscript. The text continues from the top page and is arranged in approximately 12 horizontal lines. Similar to the top page, it features dense script with some red ink markings. The parchment shows signs of age, including some staining and wear at the edges.

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनि-
 शिष्यं त्वत्पुत्रं त्वया प्रदिष्टं मे ॥ त्वं प्राज्ञं
 वीर्यवान् धर्मशाली ॥ सत्यव्रतः क्षेमसाधनः ॥
 त्वं हि मया युधिष्ठिरं ॥ विप्रं ब्रह्मविद्यायां ॥
 गुरुं पश्येति धर्मक्षेत्रे ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता ॥
 रणे मां तव प्रियं ॥ उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 संजय ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता ॥
 रणे मां तव प्रियं ॥ उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
 संजय ॥ द्रुपद उवाच ॥ कुरुक्षेत्रे समवेता ॥
 रणे मां तव प्रियं ॥ उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥

[illegible][illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

五

[illegible]

[illegible][illegible]

